

**श्री ५ महाराजाधिराजका प्रमुख सचिवालय  
राजदरबारको  
सूचना**

**श्री ५ महाराजाधिराजबाट वर्तमान राष्ट्रिय खेलकूद परिषद्को सदस्यहरूको पदावधि यही भाद्र १७ गते समाप्त भएकोले अर्को व्यवस्था नभएसम्मका लागि हालकै उपाध्यक्ष तथा सदस्यहरूलाई सो परिषद्को कार्य संचालन गर्न म्याद थप गरिबकसेकोमा आगामी असोज २ गतेदेखि लागू हुने गरी राष्ट्रिय खेलकूद परिषद् ऐनको दफा ४ (चार) तुसार श्री ५ अधिराजकुमार धीरेन्द्र वीर विक्रम शाहलाई राष्ट्रिय खेलकूद परिषद्को संरक्षक तोकिबकसी उक्त परिषद्मा देहायबमोजिम अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष र सदस्यहरू समेत तोकिबकसेको छ ।**

१.	माननीय शिक्षा मन्त्री वा शिक्षा मन्त्रालयको कार्यभार सम्हाल्ने माननीय शिक्षा राज्य मन्त्री	- - - - -	पदेन अध्यक्ष
२.	श्री शरदचन्द्र शाह	- - - - -	सदस्य-सचिव
३.	श्री विष्णुगोपाल श्रेष्ठ	- - - - -	कोषाध्यक्ष
४.	श्री अनुपशमशेर ज.ब.रा.	- - - - -	सदस्य
५.	श्री कमलबहादुर थापा	- - - - -	सदस्य
६.	श्री द्वारिकाराम भगत	- - - - -	सदस्य
७.	श्री बुधिदश्मशेर ज.ब.रा.	- - - - -	सदस्य

हुकुम बक्से बमोजिम,  
रञ्जनराज खनाल  
श्री ५ महाराजाधिराजका सचिव

श्री ५ को सरकारको छापाखाना, सिंहदरबार, काठमाडौंमा मुद्रित ।

आधिकारिकता मुद्रण किशागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागू हुनेछ।

अशोकनीस छासर किशोर डीयुग्राम ५ वि  
धी २ महाराजा विरपक्ष प्रभु ग्रन्थकालिपि  
किशोरकाम

四百九

କିନ୍ତୁ ଏହାର କିମ୍ବା ଏହାର ପରିମା ଡାକ୍ଟରଙ୍କ ଦେଖିଲୁଗାରୁ ହେଉଥିବା ମଧ୍ୟରେ  
କିମ୍ବା ଏହାର କମଳାପ୍ରମାଣ ଏହାର କିମ୍ବା ଏହାର କମଳାପ୍ରମାଣ ଏହାର କମଳାପ୍ରମାଣ  
ଏହାର କମଳାପ୍ରମାଣ ଏହାର କମଳାପ୍ରମାଣ ଏହାର କମଳାପ୍ରମାଣ ଏହାର କମଳାପ୍ରମାଣ  
(ସାର) ୪ ଟଙ୍କା କିମ୍ବା ଟଙ୍କାରୁ କିମ୍ବା ଟଙ୍କାରୁ କିମ୍ବା ଟଙ୍କାରୁ କିମ୍ବା  
କିମ୍ବା ଟଙ୍କାରୁ କିମ୍ବା ଟଙ୍କାରୁ କିମ୍ବା ଟଙ୍କାରୁ କିମ୍ବା ଟଙ୍କାରୁ କିମ୍ବା

१४ किंसिक्षकीर्ति-कार्य  
प्राणी अनिनाम शिवम् रामानंक किमलालास राजा ॥१४॥ हिम राजा अनिनाम ॥१५॥  
हिम राजा -

१. शारीर-प्रकाश	-	तेजस्सम् र सुनस्त्रै द्वारा प्रवर्णित है
२. आणविकीया	-	सोलायन्मय र उत्तरी लार्गामिण्डी द्वि-
३. प्रकृतिकपुर	-	रामेश्वर - १८.७.१० उपिषद्प्रमाण है
४. प्रकृतिरायथी	-	चित्तीपुरावी १८.७.१० उत्तराह्निमक है
५. प्रकृतिरमती	-	सिंधुपात्रवों चामू मार्गाकशीह द्वि-
६. प्रकृति	-	काले - १८.७.१० उपिषद्प्रतीक है
७. तुनिवनी	-	वाला र कलबहा
८. गवडनी	गवीमिह निह मकुह	तनहुं र मोर्खा
९. छवला छान्हा छान्हालवा	-	पवैत र भ्यान्हा
१०. शारीर-काणारायीश्वरहा ५ हि	-	तेजस्सम् र सुनस्त्रै
११. भेदी	-	वर्दिवा
१२. कण्ठली	-	हुन्हा
१३. सेती	-	बाबुरा र कैलरवी
१४. महाकाली	-	वैतडी

। चैतीम् त्रिभासात् शाक्यश्वसो रामाशासु किंशकरम् कि ॥ ५ ॥

**302** आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हनेछ।